बुन्देलखण्ड विकास पैकेज वर्ष 2010-12 (दुग्धशाला विकास विभाग)

प्रगति विवरण जनपद ललितपुर माह मई 2016

1– दुग्ध समिति संगठनः– वित्तीय वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 मे बुन्देलखण्ड पैकेज के अन्तर्गत 80 दुग्ध समितियो के गठन हेतु मु0 40.00 लाख रु0 की धनराशि अवमुक्त हुई थी, जिसके सापेक्ष 80 दुग्ध समितियो का गठनकर दुग्ध संग्रह का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। समस्त 80 दुग्ध समितियां जनपद के तालबेहट, जखौरा, बांसी एवं बार विकास खण्ड मे आच्छादित है। इन गठित दुग्ध समितियो मे 2401 लाभार्थियो को लाभान्वित किया गया है। सभी दुग्ध समितियो का निबन्धन कराया जा चुका है।

2– दुग्ध परिवहन व्ययः– इस मद मे वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 मे मु0 12.00 लाख रू0 की धनराशि प्राप्त हुई थी, जिससे समितियो के उर्पाजित दूध को दुग्ध अवशीतन केन्द्र हनूपुरा तक पहुचाने के लिये किराये के दुग्ध वाहन द्वारा विभिन्न मार्गो से दूध एकत्रित कर डेरी प्लांट पर प्रोसेसिग हेतु लाया गया। बुन्देलखण्ड विकास पैकेज के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष मे सभी विकासखण्ड मे 80 दुग्ध समितियो के गठन के कारण इन विकासखण्डो से दुग्ध उर्पाजन मे वृद्वि हुई है।

3– कार्यषील पूंजीः– इस मद मे वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 मे कुल अवमुक्त धनराशि मु0 38.982 लाख को दुग्ध समितियो से कय दूध के सामयिक दुग्ध मुल्य भुगतान मे व्यय किया जाना था, जिसके सापेक्ष माह मार्च 2012 तक मु0 38.982 लाख की धनराशि व्यय की जा चुकी है। दुग्ध उत्पादको का समय से दुग्ध मुल्य का भुगतान होने के कारण ही दुग्ध उर्पाजन मे वृद्वि हुई है। दुग्ध समितियो का दुग्ध मुल्य भुगतान साप्ताहिक बिल बेसिस पर किया जाता है।

4– तकनीकी निवेशः– इस मद मे वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 मे कुल अवमुक्त धनराशि मु0 10.00 लाख को दुग्ध समितियो मे तकनीकी निवेश के अन्तर्गत व्यय किया जाना था, जिसके सापेक्ष माह मार्च 2012 तक मु0 10.00 लाख व्यय किया गया है। जिसमे दुग्ध समितियो के सदस्य/ लाभार्थियो को 9314 डोज डिवारमर, 2640 डोज मिनरल मिक्चर, 1200 लाभार्थियो को बाजरा मिनी किट तथा 2400 लाथार्थियो को बरसीम बीज का वितरण किया गया है। इससे पशुओ को समय समय पर हरा चारा की आपूर्ति हुई तथा पशु रोग रहित रहे है। पूर्व मे इन लाभार्थियो को इस तरह की किसी योजना से लाभान्वित नही किया गया है। अतः बुन्देलखण्ड विकास पैकेज मे तकनीकी निवेश के अन्तर्गत 80 दुग्ध समितियो के 2441सदस्यो को लाभान्वित किया गया है।

5– यूरिया मोले0 ब्लाक वितरणः– इस मद मे वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 मे कुल अवमुक्त धनराशि मु0 10.946 लाख मे से माह मार्च 2012 तक मु0 10.946 लाख की धनराशि व्यय की गयी, जिससे 80 गठित की गयी दुग्ध समितियो के 2400 लाभार्थियो को यूरिया मोलेसिस लिक ब्लाक का वितरण 100 प्रतिशत अनुदान के रुप मे किया गया है,तथा वित्तीय वर्ष 2010 से 2012 तक कुल 4153 ब्लाक का वितरण किया गया है। यूरिया मोलेसिस लिक ब्लाक से दुधारु पशुओ की दुग्ध उत्पादक क्षमता मे वृद्वि हुई है, तथा जानवरो की पाचन क्षमता मे अनुकूल प्रभाव पडा है। पूर्व मे इन लाभार्थियो को इस तरह की किसी योजना से लाभान्वित नही किया गया है। अतः बुन्देलखण्ड विकास पैकेज मे यूरिया मोलेसिस लिक ब्लाक के वितरण से किसानो को लाभ हुआ है।

6– पशुआहार वितरणः– दुग्ध समितियो के दुग्ध उत्पादको को पशुआहार वितरण किये जाने हेतु वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 मे इस मद मे मु0 31.185 लाख रु0 अवमुकत किया गया है। जिसके सापेक्ष माह मार्च 2012 तक मु0 31.185 लाख की धनराशि व्यय की गयी, तथा 80 गठित समितियो के अन्तर्गत 5747 लाभार्थियो को दो बैग/ लाभार्थी (50 प्रतिशत अनुदान) की दर से पशुआहार बैग का वितरण किया गया है। पूर्व मे इन सभी लाभार्थियो को इस तरह की किसी योजना से लाभान्वित नही किया गया है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थति के कारण भूसा एवं हराचारा की कमी होने सें पशुओ को पूर्ण आहार नही मिल पाता है। जिससे दुधारु पशुओ मे दूध देने की क्षमता भी कम हो जाती है। ऐसी स्थिति मे दुधारु क्षमता बढाने के लिये पशुओ को पशुआहार दिया जाना ज्यादा लाभकारी है।

7– प्रशिक्षण/प्रसार कार्यकमः– इस मद मे मु0 5.00 लाख रु0 की धनराशि प्राप्त हुई है। जिसके सापेक्ष माह अक्टूबर 2011 तक मु0 5.00 लाख की धनराशि व्यय की गयी। जिसमे से 35 कृषको को एक्सपोजर विजिट के अन्तर्गत करनाल मे प्रषिक्षण दिया गया। साथ ही 10 फील्ड स्टाफ को ट्रेनिग प्रषिक्षण कार्यकम सहकारी डेरी प्रषिक्षण संस्थान बुन्दू कटरा आगरा से कराये गये है। एवं कृषको मे दुग्ध व्यवसाय की जानकारी मे वृद्वि के लिये 65 ग्रामो मे चौपाल के माध्यम से दुग्ध पर्यवेक्षको द्वारा जानकारी दी गयी। पूर्व मे इन ग्रामो के लाभार्थियो को इस तरह की किसी योजना से लाभान्वित नही किया गया है। अतः बुन्देलखण्ड विकास पैकेज मे प्रषिक्षण कार्यकम के अन्तर्गत 100 प्रतिषत सदस्यो को लाभान्वित किया गया।

8– दुग्ध अवशीतन केन्द्र निर्माण/ स्थापना– इस मद मे मु0 230.150 लाख की धनराशि दुग्ध अवशीतन केन्द्र क्षमता 5000 ली0/दिन के निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त हुई थी, जिसके अन्तर्गत समस्त धनराशि निर्माण एजेन्सी राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड आनंद गुजरात को प्रेषित कर दी गयी थी,। जनपद ललितपुर के बार विकासखण्ड मे ग्राम हनूपुरा स्थिति दुग्ध अवशीतन केन्द्र का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था द्वारा कराया गया है। निर्माण एजेन्सी द्वारा माह सितम्बर 2011 से कार्य प्रारम्भ करा दिया गया था।

दुग्ध अवशीतन केन्द्र के निर्माण का कार्य वर्ष 2013 में पूर्ण किया जा चुका था। प्लांट के वाटर ट्रायल एवं कमिषनिंग का कार्य सफलतापूर्वक सम्पादित किये जाने के उपरान्त दुग्ध अवशीतन केन्द्र पर दुग्ध प्रोसेसिग, का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान मे 40 दुग्ध समितियो के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 2000 ली0 दूध का उर्पाजन कर झांसी दुग्धशाला पर लाया जाता है।

1–वित्तीय वर्ष 2009–10 मे कोई भी धनराशि इस योजना के अन्तर्गत अवमुक्त नही हुई थी।

2–वर्ष 2010–11 मे कुल धनराशि मु0 319.159 लाख रू0 एवं वर्ष 2011–12 मे कुल धनराशि मु0 59.107 लाख रु0 की धनराशि प्राप्त हुई, जिसके सापेक्ष 100 प्रतिशत धनराशि का उपयोग कर लिया गया है।

3– वित्तीय वर्ष 2012–13, से 2015–16 मे कोई भी धनराशि बुन्देलखण्ड पैकेज के अन्तर्गत प्राप्त नही हुयी।

जनपद ललितपुर की सामान्य सूचना–

1. दुग्ध संघ की निबन्धन संख्या–	जनपद झांसी से संचालित
2. बुन्देलखण्ड पैकेज के अन्तर्गत निर्मित दुग्धशाला की क्षमता–	5000 लीटर/दिन
3. बुन्देलखण्ड पैकेज के अन्तर्गत दुग्धशाला निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि–	230.150 लाख रू0
4. बुन्देलखण्ड पैकेज के अन्तर्गत गठित दुग्ध समितियां–	80
5. जनपद ललितपुर मे कुल निबन्धित दुग्ध समितियां–	139

प्रबन्धक
दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0
झाँसी